भाग्यं भवति कर्मणा

मासिक राशिफलमाह–अगस्त 2012

प्रातः कालीन ग्रह स्थिति 01.08.2012

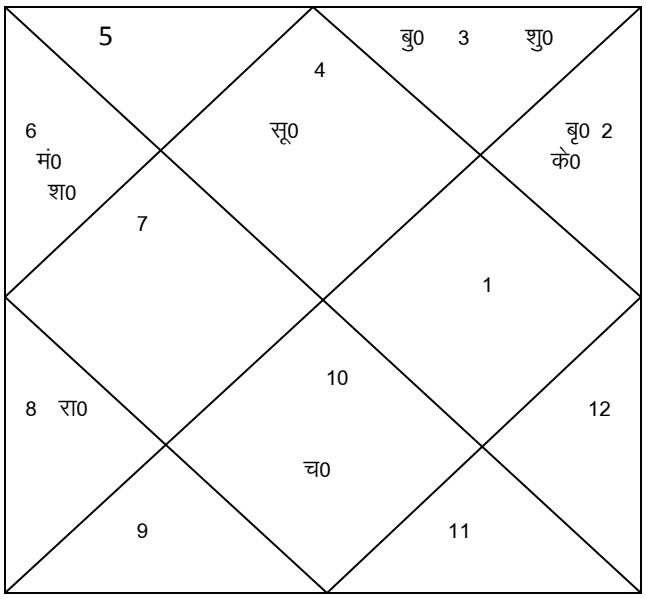

मेष–चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

विरोधियों की सक्रियता पर पूर्ण रुप से अंकुश लगाये रखने मे समर्थवान रहेंगे। जीवन संगिनी के साथ तीखी मीठी नोंक–झोंक का सामना करना पड़ सकता है। व्यवसायिक कार्यों मे संलग्नता आंशिक लाभदायक प्रतीत होगी। उबाऊ और तकलीफदेय यात्राओं के सुअवसर भी उपलब्ध रहेंगे। युवा शक्ति की ताकत का बेहतर सदुपयोग आप द्वारा हो सकता है। तारीख 1, 2, 3, 4, 5, 7, 8, 9, शुभ सूचक है।

वृष– ई, ऊ, ऐ, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

परिस्थितियों से समझौता करने की स्थितियां लगातार प्रतीत होगी। अनायास किसी धार्मिक यात्रा मे अवरोध आ सकते हैं। स्वजनो और प्रियजनो का सहयोग व सानिध्य मिलता रहेगा। पराक्रम के साथ साहसिक कार्यों मे आपकी संलग्नता बढ़ती रहेगी। रोजी रोटी की दिशा मे किये गये प्रयास सार्थक परिणाम दायक प्रतीत हो सकते हैं। व्यवसायिक हित साधने

के क्रिया कलापों से मिश्रित परिणाम की अनुभूति होगी। पढ़ने, लिखने की सोच की दिशा परिवर्तित होगी। तारीख 3, 4, 5, 6, 7, 10, 11, 12 उन्नतिकारक प्रतीत होगी।

मिथुन– का, की, कू, के, को, हा, ध, ण, छ

मौसम के विगड़ते मिजाज के चलते शारीरिक कष्ट की अनुभूति होगी। अप्रिय भाषा शैली का प्रयोग पारिवारिक माहौल बिगाड़ने का काम कर सकता है भोग विलास, सौन्दर्य प्रेम का वातावरण बेहद रास आयेगा। ग्रहस्थ जीवन की गाड़ी धीमी रफ्तार से चलती प्रतीत होगी। असामाजिक तत्वों द्वारा आपके खिलाफ साजिश भी होती दिखाई पड़ेगी। जीविकोपार्जन सम्बन्धी संसाधनों की वृद्धि से जुड़े प्रस्तावों पर कठिनाइयां प्रतीत हो सकती हैं। अनचाहे व्यय भार का सामना करना पड़ेगा। तारीख 5, 6, 7, 8, 9, 13, 14, 15 प्रगति सूचक प्रतीत होंगी।

कर्क–ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डो

सौन्दर्य प्रसाधन तथा विलासिता पूर्ण किन्तु सार्थक कार्यों मे व्यय भार के अतिरिक्त श्रोत निर्धारित होंगे। किसी अनचाहे सवाल पर आपका अनचाहा जवाब मानसिक मलीनता का कारण बनेगा। व्यापारिक सोच और व्यवसायिक क्रिया कलाप सार्थक परिणाम की ओर अग्रसर होंगे। जीवन संगिनी का सानिध्य और सहयोग प्राप्त होता रहेगा। किसी धार्मिक, मांगलिक कार्य मे आपकी भागीदारी सामाजिक सुख्याति का वातावरण बनायेगी। पठन–पाठन कार्यक्रम पूर्णतः प्रभावित रहेंगे। तारीख 1, 2, 7, 8, 9, 10, 11, 12 प्रगति कारक सिद्ध होंगी।

सिंह– मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

पारिवारिक उत्तरदायित्वों के प्रति उदासीनता आपको मानसिक परेशानियों मे वृद्धि के मार्ग प्रसस्त करेंगे। वाणी मे चिड़चिड़ेपन की समाविष्ट भी प्रतीत होगी। संगीत के साथ–साथ रमणिक वातावरण बेहद रोचक प्रतीत होगा। विपक्षियों के साथ भी तालमेल बैठाने के प्रयासों मे कामयाबी मिल सकती है। राज्याधिकारियों की कार्यशैली आपके लिये तकलीफदेय सिद्ध होगी। गृहिणी के साथ सामन्जस्य बनाकर चलना ही आपके लिये उत्तम होगा। आमदनी मे वृद्धि के साथ खर्च मे वृद्धि भी प्रतीत होगी। तारीख 3, 4, 5, 10, 11, 12, 13, 14, 15 शुभकारक सिद्ध होगी।

कन्या– टो, पा, पी, पू, पे, पो, ष, ण, ठ

मानसिक रुप से किसी भी विषय पर दण्डात्मक कार्यवाही ही रुचिकर प्रतीत होगी। कूटनीतिक कार्ययोजना से सरलता के साथ सम्पन्न हो सकती है। माह का पहला सप्ताह आपके व्यवसायिक जीवन के लिये बेहतर है। पत्नी से आशानुकूल सहयोग प्राप्त करने मे सफल सिद्ध होंगे। अनासास किसी धार्मिक रमणीक स्थल की यात्रा के सुअवसर आयेंगे। स्वास्थ्य के मसले पर संतान पक्ष आपको चिन्तित कर सकते है। अधिकतम खर्च की स्थितियों का सामना करना पड़ेगा। तारीख 5, 6, 7, 13, 14, 15, 16, 17 शुभ सूचक होगी।

तुला– रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते

मानसिक तनाव का दौर जारी रहेगा। प्रशासनिक अधिकारियों की कृपादृष्टि के चलते राजकीय कार्यों मे लाभ मार्ग की ओर अग्रसर रहेंगे। यात्रा के दौरान यातायात के नियमो का पालन अति आवश्यक है। भूमि सम्बन्धी वाद–विवाद और प्रापर्टी सम्बन्धी मामलों मे आंशिक सफलता प्राप्त होगी। अनायास निर्णय लेने की आदतों मे वृद्धि की स्थिति बरकरार रहेगी। धरम, करम के मामले मे सजग तथा ईश्वर के प्रति आस्थावान होंगे। कर्मवादी व्यक्तित्व के कारण माह मे सफल रहेंगे। तारीख 5, 6, 7, 8, 9, 15, 16, 17 उन्नति कारक सिद्ध होगी।

वृश्चिक – तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू

जीवन साथी के व्यवहार मे परिवर्तन के कारण ग्रहस्थ जीवन के अनुभव बेहद रुचिकर सिद्ध होंगे। लेखन, अध्ययन सम्बन्धी कामकाज आंशिक लाभकारक प्रतीत हो सकते हैं। महिला मित्र मन्डली की सहयोगी भूमिका सामाजिक क्षेत्र मे आपकी दमदार स्थिति को प्रदर्शित करेगी। आर्थिक लाभ वाले क्रिया कलाप आपको बेहतरी के साथ स्थापित कर सकते हैं। न्याय सम्बन्धी मामलो मे आपकी पकड़ लगातार मजबूत प्रतीत होगी। माह का दूसरा सप्ताह आपके लिये अति उत्तम सिद्ध हो सकता है। तारीख 1, 2, 7, 8, 9, 10, 11, 12 उत्तम सूचक है।

धनु– ये, यो, भा, भी, भू, भे, ध, फ, ढ

अभिभावक गणों का स्वास्थ्य आपका मानसिक रुप से चिन्तित कर सकता है। वार्तालाप के दौरान अधिक बातचीत से अपने आपको बचाये रखना हितकर होगा। घर, गृहस्थी की गाड़ी बहुत तेज रफ्तार से दौड़ती प्रतीत होगी। माह के तृतीय सप्ताह मे व्यवसाय मे उन्नति माग्र की ओर अग्रसर रहेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा मे किये गये सकारात्मक प्रयास आंशिक लाभदायक सिद्ध होंगे। मनोरंजक संसाधन वृद्धि के मामलों मे भी अल्प लाभ की स्थिति निर्मित

होगी। धार्मिकता मामलों मे उदासीनता रहेगी। तारीख 3, 4, 5, 10, 11, 12, 13, 14, 15 उत्तम है।

मकर– भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी

धार्मिक आस्था धार्मिक अनास्था के रुप मे परिवर्तित हो सकती है। अनायास संतान पक्ष के उत्तर दायित्वों के प्रति अतिजागरुक होंगे। पढ़ने–लिखने का शौक मन से बाहर आ सकता है। माह के सप्ताह की शुरुआत आपके लिये अति उत्तम प्रतीत होगी। आर्थिक आय वृद्धि के अन्य श्रोतों की उत्पत्ति का वातवावरण बन सकता है। भूमि क्रय विक्रय सम्बन्धी क्रिया कलाप लाभ मार्ग की ओर अग्रसर करेंगे। विपक्षियों की सक्रियता लगातार आपको बढ़ती हुयी प्रतीत होगी। व्यवसाय मे अतिरिक्त पूंजी निवेश सावधान रहें। तारीख 1, 2, 5, 6, 7, 13, 15 शुभ कारक है।

कुम्भ–गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, द

हास परिहास, मनोरंजन आदि के सुअवसरों मे वृद्धि के पस्ताव आपके पूरे परिवार को उत्साहित करेंगे। सकारात्मक सोच के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करें लाभ मे रहेंगे। बेरहम मौसम की मार से सवास्थ्य प्रभावित हो सकता है। शत्रुओं पर आपका बढ़ता प्रभाव विरोध की स्थिति मे कमी की स्थिति को दर्शाता है। दौड़ धूप और व्यस्तता के दौरान अति सतर्कता भी आपके लिये परम आवश्यक है। राज द्वारीय मामलों मे आंशिक प्रगति की स्थिति बनी रहेगी। गृहिणी के साथ बातचीत मे सावधान रहना हितकर होगा। तारीख 3, 4, 5, 7, 8, 9, 16, 17 उत्तम सूचक है।

मीन–दी, दू, दे, दो, थ, झ, अ, चा, ची

गीत संगीत अभिरुचि का जिज्ञासा मन से बाहर आयेगी। सावधानी के साथ व्यवसाय करना ही आपके लिये बेहतर होगा। घर ग्रहस्थी मे भी झगड़े झंझट का सामना करना पड़ सकता है आय और व्यय मे कठिनाइयों के साथ सन्तुलन स्थापित रहेगा। जनहितार्थ तथा समाज सेवा से जुड़े हुये कार्यों से सामाजिक सुख्याति के अवसर प्राप्त होंगे। अनायास यात्रा प्रसंगो की अधिकता सार्थक परिणाम की ओर अग्रसर कर सकती है। न्यायालय सम्बन्धी वाद–विवाद मे धीमी गाति प्रगति की राह मे आगे बढ़ेंगे। तारीख 1, 2, 5, 6, 7, 10, 11, 12 शुभ सूचक सिद्ध होगी।

माह के व्रत पर्व और त्यौहार

1. भद्रा पाताल मे दिन मे 10 बजकर 01 मिनट से प्रारम्भ होकर रात्रि मे 09 बजकर 15 मिनट तक, व्रत की पूर्णिमा, हय ग्रीव पूर्णिमा (सांयकाल) – 01 अगस्त, बुधवार।
2. स्नान दान की पूर्णिमा, रक्षा बन्धन दिन मे 08 बजकर 30 मिनट तक, श्रावणी संस्कृत दिवस – 02 अगस्त, बृहस्पतिवार।
3. बलदेव जयन्ती द्वितीया, बिन्ध्याचली व भीमचन्डी जयन्ती द्वितीया, रतजग्गा (कज्जली निमित्त) – 04 अगस्त, शनिवार।
4. श्री संकष्ठी गणेश चतुर्थी व्रतम् बहुला चतुर्थी व्रत, कज्जली तीज विशालाक्षी यात्रा तृतीया, गोपूजा तृतीया – 05 अगस्त, रविवार।
5. रात्रि मे 02 बजकर 37 मिनट पर पंचक समाप्ति, रक्षा पंचमी (जैन) कालिका पंचमी, हलषष्ठी (ललही छठ) – 07 अगस्त, मंगलवार।
6. श्री कृष्ण जन्माष्टमी व्रत स्मार्तानाम, काला अष्टमी दिन मे 10 बजकर 04 मिनट से पंचक प्रारम्भ – 09 अगस्त गुरुवार।
7. श्रीकृष्ण जन्माष्टमी जन्माष्टमी वैष्णवा नाम, सहादते हजरत अली – 10 अगस्त शुक्रवार।
8. जया एकादशी व्रतम्, सर्वेषाम, पयुर्षण पर्वारम्भः (जैन) – 13 अगस्त, सोमवार।
9. प्रदोष त्रयोदशी व्रतम्, मासशिव रात्रि व्रतम् चतुर्दशी, स्वतन्तत्रा दिवस – 15 अगस्त, बुधवार।
10. स्नान दान व श्राद्ध की अमावस्या, कुशोत्याटनी अमावस्या – 17 अगस्त, शुक्रवार।
11. अंगारकी चतुर्थी व्रतम, श्री वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रतम्, – 21 अगस्त, मंगलवार।
12. दूर्वाष्टमी व्रतम् – 24 अगस्त, शुक्रवार।
13. पुरुषोत्तमी एकादशी व्रतम सर्वेषाम – 27 अगस्त सोमवार।
14. सांयकाल 05 बजकर 58 मिनट से पंचक प्रारम्भ, प्रदोष त्रयोदशी व्रतम् – 29 अगस्त बुधवार।
15. स्नान दान व व्रत की पुरुषोत्तमी पूर्णिमा – 31 अगस्त, शुक्रवार।